13.31 hrs.

PETITION RE. PUNJAB MUNICIPAL (DELHI AMENDMENT) BILL

श्री म० ला० द्विवेदी (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं पंजाब नगरपालिका (दिल्ली संशोधन) विधेयक, 1966 के बारे में एक याचिकादाता द्वारा हस्ताक्षरित एक याचिका प्रस्तुत करता हूं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : मुझे इसके बारे में कुछ कहना है ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने सिर्फ एक पिटीशन पेश की है । उसके बारे में क्या कहा जा सकता है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : नियम 357 के अन्तर्गत जो अर्जी दी गई है उसके सम्बन्ध में मैं कहना चाहता हूं कि नियम 174 में मैं ने भी नोटिस दी थी लेकिन मुझे मौका नहीं मिला । चूंकि माननीय सदस्य के खिलाफ यह आरोप था कि वह प्रदर्शन में मौजूद थे इस लिये उन की बात को स्वीकार कर लिया गया । लेकिन मैंने 10 तारीख को लिखा था कि हमें इस प्रदर्शन की आड़ में सरकार की ओर से कितना बदनाम किया गया है ।

अध्यक्ष महोदय : आप डिस्कशन की नोटिस दीजिये । हां, अगर आपकी कोई अर्जी या पिटिशन है तो आप दीजिये कि वह भी इसमें शामिल कर दी जाये ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं सूचना दे चुका हूं । लेकिन मुझे उसके बारे में सूचित नहीं किया गया ।

अध्यक्ष महोदय मैं सूचित कर रहा हूं कि आप पिटिशन प्रेजेन्ट करें । ...... (व्यवधान) पिटिशन करने से हम उनको कैसे रोक सकते हैं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मेरे दल को इतना बदनाम किया गया । मुझको उसकी सफाई का मौका नहीं दिया गया ।

अध्यक्ष महोदय : दल की सफाई नहीं हो सकती । श्री कमल नयन बजाज ।

13.33 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY MEMBER

श्री कमल नयन बजाज (वर्धा) : अध्यक्ष महोदय, 7 नवम्बर को जो गोली कांड हुआ उस बारे में सदन में बोलते हुए श्री बागड़ी ने कहा कि मैं वहां मंच पर था ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : सही बात है ।

श्री कमल नयन बजाज : बाद में दूसरों ने भी जिक्र किया । इससे सदन के सदस्यों में और प्रेस में आने से काफी गलतफहमी हुई है । उसको दूर करने के लिए मैं यह वक्तव्य दे रहा हूं ।

सदन के कुछ सदस्यों ने मिल कर गोवध बन्द करवाने के लिए एक निर्दलीय गोमंच बनाया है । उस की तरफ से श्री गोविन्द दास जी, श्री प्रकाशवीर जी, डा० सिंघवी तथा मैं मीटिंग में व्यवस्थापकों से मिलने इस वास्ते गए थे कि जिससे उनको सरकार से जो कुछ निवेदन करना हो वह हमें दे दें सो वह हम लोग सरकार तक पहुंचा देंगे ।

जब हम जा रहे थे तब श्री रामेश्वरानन्द जी का व्याख्यान हो रहा था ऐसा मुझे बाद में मालूम हुआ । अचानक उसी समय कुछ हुल्लड़ की शुरूआत हुई । ** हम लोगों ने भी हुल्लड़ करने वालों को शान्त करने का प्रयास किया । वातावरण

**Expunged as ordered by the Chair.